एम. ए. हिंदी कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य

(जुलाई 2019 एवं जनवरी 2020 सत्रों के लिए)

अनिवार्य पाठ्यक्रम

एम.एच़.डी.–1 : हिंदी काव्य –1
एम.एच.डी– 5 : साहित्य सिद्धांत और समालोचना
एम.एच.डी–7 : हिंदी भाषा और भाषाविज्ञान

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

मॉड्यूल 'क' – उपन्यास : स्वरूप और विकास

एम.एच.डी–14 : हिंदी उपन्यास–1 (प्रेमचंद का विशेष अध्ययन)
एम.एच.डी– 15 : हिंदी उपन्यास –2
एम.एच.डी– 16 : भारतीय उपन्यास

अथवा

मॉड्यूल 'ख' – दलित साहित्यः विशेष अध्ययन

एम.एच.डी–17 : भारत की चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य
एम.एच.डी–18 : दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
एम.एच.डी–19 : हिंदी दलित साहित्य का विकास
एम.एच.डी–20 : भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली– 110 068

मॉड्यूल 'ख'– दलित साहित्य : विशेष अध्ययन

(एम.एच.डी.–17 से 20 तक)

सत्रीय कार्य : एम.एच.डी.–17

'भारत की चिंतन परंपराएं और दलित साहित्य'

(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी.–17/टी.एम. ए/ 2019– 2020

कुल अंकः 100

1. निम्नलिखति काव्यांशों की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिएः **10x4=40**

(क) ''इत्येषा व्युपशान्तये न रतये मोक्षार्थगर्भाकतिः,
श्रोवणां ग्रहणार्थमन्यमनसां काव्योपचाशत् कृता।
यन्मोक्षात्कृतमन्यदव हि मया तत्काव्यधर्मात् कृतम्
पतुं तिक्तभिवौषधं मधुयुतं ह्द्यं कथं स्यादिति।।''

(ख) उँचा–उँचा पाबत तहिं वसइ सबरी बाली।
मोरङ्गी पिच्छि पहिरहि सबरी गीवत गुजरी माला।
उमत सबरो पागल सबरों, माकर गुली–गुहाड़ा।
तोहारि णिअ धरिणी सहज सुन्दरी।।
पाणा तरूवर मौलिल रे, गअणत लागेलि डाली।
एकली सबरी ए वनहिण्डइ, कर्ण कुण्डल वज्रधारी।.....

(ग) चारि वेद पढ़ाई करि, हरि सू लाया हेत।
बलि कबीरा ले गया, पंडित ढूढ़े खेत।।

(घ) मैं पहनती, ओढ़ती, शृंगार करती हूँ, पूजनीय के लिए
कृति मेरी पूजनीय के लिए, दृष्टि मेरी पूजनीय के लिए,
अंतरंग, बहिरंग लिंग के लिए
अंतः कर्म करने पर भी कर्म से अलिप्त हूँ मैं।
चेत्र मल्लिकार्जुन में सामरस्य होने से
दस में ग्यारह होने का मैं दावा कर सकती हूँ।

2. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः– **10x4 =40**

(क) अश्वधोष की महत्वपूर्ण कृतियों के बारे मे बताइए।
(ख) बौद्ध धर्म के उदय एवं विकास की समीक्षा कीजिए।
(ग) प्रमाण सिद्धांत को अपने शब्दो मे व्याख्यायित कीजिए।
(घ) 'मिलिन्द प्रश्न' पुस्तक में वर्णित विषय के बारे मे बताइए।

3. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिएः **5x4= 20**

(क) आर्य वसुबंधु के रचनात्मक योगदान पर अपना मत लिखे।
(ख) महानुभाव पंथ के उदय एवं विकास पर विचार कीजिए।
(ग)नागसेन के तर्को पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
(घ) हरिदास साहित्य के महत्व के बारे में बताइए।

सत्रीय कार्य : एम.एच.डी. –18

(दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप के सभी खण्डों पर आधारित)

सत्रीय कार्य कोड एम.एच.डी.–18/टी एम ए/2019–20
कुल अंक 100

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 'दस' प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 10X10= 100

1. दलित साहित्य के उद्‌भव एवं विकास पर एक सारगर्भित आलेख लिखिए।
2. महात्मा फुले के विचारों का भारतीय समाज पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।
3. हीरा डोम की कविता 'अछुत की शिकायत' के ऐतिहासिक महत्व को स्पष्ट कीजिए।
4. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर के दलित मुक्ति आंदोलन ने भारतीय समाज को किस प्रकार प्रभावित किया? स्पष्ट कीजिए।
5. डॉ आंबेडकर के आंदोलन ने दलित साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया विश्लेषित कीजिए।
6. समतावादी समाज की स्थापना के निर्माण में महात्मा फुले के 'सत्यशोधक समाज' के महत्व पर पर प्रकाश डालिए।
7. स्वामी अछूतानन्द के सामाजिक सुधार आंदोलन पर एक निबंध लिखिए।
8. पेरीयार ई.वी. रामास्वामी नायकर के आत्मसम्मान आंदोलन की समीक्षा कीजिए।
9. दक्षिण भारत में स्त्री मुक्ति के संदर्भ में नारायण गुरू के आंदोलन का साहित्य पर क्या प्रभाव पड़ा स्पष्ट कीजिए।
10. दलित साहित्य के लिए अलग सौन्दर्यशास्त्र की जरूरत क्यो है! व्याख्या कीजिए।
11. दलित आंदोलन में दलित साहित्य के महत्व रेखांकित कीजिए।
12. दलित आलोचना परिदृश्य का मूल्यांकन कीजिए।
13. भारतीय साहित्य में दलित आत्मकथा का विशेष स्थान है। स्पष्ट कीजिए।
14. दलित साहित्य के सौन्दर्यशास्त्र के मुख्य तत्वों के बारे में बताइए।

– –

सत्रीय कार्य एम.एच.डी–19
हिंदी दलित साहित्य का विकास
(पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित)

सत्रीय कार्यः एम.एच.डी.–19/टीएमए/ 2019–20
कुल अंकः 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्ही दो की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।
10x2= 20

(क) चाहे संकीर्ण कहो या पूर्वाग्रही
मैं जिस टीस को बरसों बरस
सहता रहा हूँ
अपनी त्वचा पर
सूई की चुभन जैसे,
उसका स्वाद एक बार चखकर देखो
हिल जायेगा पॉव तले जमीन का टुकड़ा।

(ख) दूसरा सच
वह देखना नहीं चाहती
घर से गया हुआ उसका मर्द
अब कभी वापस लौटकर नहीं आएगा
सच यही है।
घर से गए
उसके आदमी की ऑतें
किसी रामपुरिया चाकू से कटी–फटी
किसी कूड़े के ढेर के नजदीक पड़ी होंगी।
या उसका झुलसा चेहरा
और जला हुआ शरीर
किसी नहर/नदी/नाले के पास पड़ा होगा
सच यही है।

(ग) यदि धर्मसूत्रों में लिखा होता
तुम ब्राह्मणों, ठाकुरों और वैश्यों के लिए
विद्या, वेद–पाठ और यज्ञ निषिद्ध हैं।
यदि तुम सुन लो वेद का एक भी शब्द
ते कानों में डाल दिया जाय पिघला शीशा।
यदि वेद–विद्या पढ़ने की करो धृष्टता,
तो काट दी जाय तुम्हारी जिह्वा
यदि यज्ञ करने का करो दुस्साहस,
ते छीन ली जाय तुम्हारी धन–सम्पत्ति
या, कत्ल कर दिया जाय तुम्हें उसी स्थान पर।
तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती?

(घ) देवताओं और देशभक्त के
अर्ध्यों में, कारखाने बेचकर
पैदा की गई बेरोजगारी के
यज्ञ को कहते हैं जो 'नई क्रान्ति'
नाशपीटों की यह धोखेबाज सेना
इतना भी नहीं जानती
कि मेरिडियन होटलों की बगल से

गुजरने वाली कोई भी सड़क
'जनपथ' नहीं हो सकती
जनपथ तो उन्हें बनाना है
जिनके हाथ में '50–साल'
आज़ादी के बाद भी
तख्तियाँ दिया जाना शेष है।।

(ङ.) हाँ – हाँ मैं पुजारी बनना चाहता हूं
देव – दर्शन के लिए नहीं
पूजन – अर्चन के लिए नहीं कि –
देव – मूर्ति के सानिध्य में रहकर
एक मानव कैसे बन जाता है
पाषाण – हृदय अमानव?
अपने भोग की सामग्री जोड़ने
जन की श्रद्धा को अपनी ओर मोड़ने
वह धर्म का स्वांग कैसे सजाता है?
सरल का दोहन करने
निर्बल का शोषण करने
कैसे – कैसे कुचक्र चलाता है?

2. निम्नलिखित गध्यांशों में से किन्हीं दो की लगभग 200 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 10X2= 20

(क) "तभी तो यह हाय–तोबा मची है। कोई छोटे–बड़े का भेद नहीं। पहले इन ससुरों की परछाई से भी दूर रहा जाता था। अलग खाना, अलग पीना। अब तो छोटे ठाकुर, सुना है शहरों के होटलों में एक ही कप में सभी चाय पीवै हैं। कितना बड़ा अन्याय, सारा धरम ही चौपट हो गया।"

(ख) वह कहती "दुसाधों – चमारों के संग रोज़ उठते–बैठते हों, तुम्हारा जूठा बर्तन न धोऊंगी। क्या मिल जाता है वहाँ, अपनी बिरादरी के नहीं हैं क्या? हमसे ज्यादा दिमगर हैं वे? कल को ऐसा होगा कि बिरादरी के लोग नाराज होकर बिरादरी से काट देंगे और पत्तल पानी बंद। दो–दो बेटियाँ है वर ढूँढ़ने निकलेंगे तो यही ताना सुनने को मिलेगा कि तुम तो दुसाध – चमार हो गए, उनके साथ उठते–बैठते हो, उनकी बातें करते हो तो ब्याहों उन्हीं के बाल–बच्चों से अपनी बेटियाँ।"

(ग) "मर–मरकर घर तैयार करो पर हरामज़ादे थोड़े दिन भी चैन नहीं लेने देते। फेंको–फेंकों सामान बाहर निकालो! मकान 'एलॉउटमेंट' हो गया।"

(घ) "बापू रोओ मत, जब तक हीरा की जान में जान है, वह अपनी बहिन की बेइज्ज़ती का बदला लेकर रहेगा।" जमना को बड़ा साहस मिला, वह अपने भाई से बलात्कारियों (सुमेर सिंह और उसके चाचा नत्थू सिंह) की सारी करतूतें बताती है। साथ ही अपने बच निकलने की बात बताती है कि नशे में दोनों बेसुध थे तभी वह भाग पायी, अन्यथा उसका बचना तक मुश्किल था।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में लिखिए 10X4= 40

(क) दलित साहित्य ओदोलन की पृष्ठभूमि पर एक आलेख लिखिए।
(ख) समकालीन दलित कविता पर एक निबंध लिखिए।
(ग) **'आज का रैदास'** कविता के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।
(घ) दलित लोककथा और दलित कहानी में क्या अंतरसंबंध है? विश्लेषण कीजिए।
(ड़) दलित आत्मकथन एवं सामान्य वर्ग के लेखकों के आत्मकथन का तुलनात्मक विश्लेषण कीजिए।
(च) **'जूठन'** आत्मकथन के संरचनागत वैशिष्टय पर एक निबंध लिखिए।
(छ) अपने–अपने पिंजरे के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 200 शब्दों में लिखिए। **10x2= 20**

(क) **'अभिलाषा'** कविता के उद्देश्य पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) **'हीराडोम'** की कविता का ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

(ग) **'आमने–सामने'** कहानी की संरचना शिल्प पर टिप्पणी लिखिए।

(घ) दलित स्त्री लेखक के वैशिष्ट पर प्रकाश डालिए।

(ड़) **'जूठन'** आत्मकथन के पात्रों पर टिप्पणी लिखिए।

सत्रीय कार्य एम.एच.डी.–20
भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य
पूरे पाठ्यक्रम के सभी खण्डों पर आधारित

सत्रीय कार्य : एम.एच.डी.–20/टीएमए/2019–20
कुल अंकः 100

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 200 शब्दों में संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 10x4= 40

(क) तुझे देखा मैंने
भीड़ भरी सड़क पर टोकरी संभालते
फटे ऑचल में खुद को लपेटे
बुरी नजरों को धमकाते
भरे चौंक में हाथ में चप्पलें लिए
तुझे देखा मैंने
ऑखों में चार दीवारों का सपना लिए
बहुमंजिला इमारतों की सीढ़ियों पर
गर्भ भार को संभाल पैर ढोती

(ख) युगों से पढ़ाई से दूर
होस्टल की गोद के करीब होने पर
वहॉ भी
वार्डन की भूखी नजरें झेल नहीं सकने के कारण
तन को मुट्ठी में लेकर
लगा कि दूर फेंक दूं

(ग) घोड़ा नहीं जानता कि
वह पैरों से खोद सकता है धरती
दुलत्तियों से तोड़ सकता है
सवार का चेहरा
चबा सकता है चाबुक को
नरम हाथों सहित
तोड़ सकता है लगाम
गिरा सकता है
पीठ पर पड़ी काठी को
कुचल सकता है
सदियों से सवार देह को
पर, घोड़ा तो अभी घोड़ा है
पंगु का पंगु है
न समझता है, न सोचता है
बस, अपने आप को ही नोचता है

(घ) तू? और तू? और वह? और वह?
तू मुआ ढेड ओर वह नासपीटा चमार
तू मुआ तूरी और वह नासपीटा ओलगणा
तू मुआ ढेड खिस्ता और वह नासपीटा तीरगर
तुम्हारे अकारण के झगड़ों से मैं तंग आ गई
तुमने तो अपने बाबा का नाम डुबो दिया
और मेरा दूध लजाया
भूल गए कल तक सबके गले में लटकती थी मेलिया मटकी
और पीछे लटकता था झाडू?
कल तक सब मुर्दार खाते थे
और आज मुछल्ले मरद बन गए?

2. निम्नलिखित में से चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। 10x4= 40

(क) मराठी दलित साहित्य को बाबूराव बागुल ने नयी दिशा दी। प्रकाश डालिए।

(ख) ''**बुद्ध ही मरा पड़ा है**'' कहानी के आधार पर दलित समाज के राजनीतिक अन्तर्विरोध को बताइए।

(ग) ''**उम्मीद अब भी बाकी है**'' कहानी के आधार पर दलित स्त्री के संघर्ष पर अपने विचार लिखिए।

(घ) ''**मोची की गंगा**'' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ड.) '**बिच्छु कहानी**'' में वर्णित दलित जीवन की व्यथा को स्पष्ट कीजिए।

(च) 'अक्करमाशी' आत्मकथन के आधार पर लेखक के मानसिक अंतर्द्वन्द्व पर अपने विचार लिखिए।

(छ) दलित स्त्री आत्मकथन में **बेबीताई कांवले** के योगदान की समीक्षा कीजिए।

(ज) **मशालची** उपन्यास के आधार पर पंजाबी दलित साहित्य में डॉ गुरूचरण सिंह राओ के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(झ) **'अस्पृश्य बसंत'** उपन्यास के आधार पर यह स्पष्ट कीजिए कि इसमें धर्म परिवर्तन के कौन–कौन से कारण को बताया गया हैं।

3. निम्नलिखित में से किन्ही चार पर लगभग 200 शब्दों में टिप्पणी लिखिए। 5x 4= 20

1) **'गौरेया**' कविता में व्यक्त स्त्री वेदन, का स्वरूप
2) '**आज का एकलव्य'** कविता का उद्देश्य
3) **व्यथा** कविता में धार्मिक आस्थाओं पर कवि का विचार
4) **अमावस** कहानी का वातावरण।
5) **रोटलें की नजर लग गई**' कहानी में व्यक्त बालमनोविज्ञान का चित्रण
6) **'जीवन हमारा**' में वर्णित दलित स्त्री का तिहरा शोषण की व्याख्या कीजिए।
7) '**अस्पृश्य बसंत'** अपन्यास में रामानुजम का चरित्र
8) **मशालची** उपन्यास की भाषा।

———————— ————————